

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ही होंगे आगामी चुनावों के लिए आप का चेहरा : केजरीवाल

पंजाब में समय से पहले चुनाव का केजरीवाल ने दिया इशारा, कहा- फरवरी-2027 में होने वाले चुनाव नवंबर-2026 में संभव

■ विधानसभा चुनावों में कार्यकर्ताओं को कमर कसने के निर्देश
समर न्यूज़ | बटिंडा

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की राजनीति में सियासी हलचल तेज कर दी है।

बटिंडा में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए केजरीवाल ने संकेत दिया कि पंजाब विधानसभा चुनाव अपने तय समय से पहले कराए जा सकते हैं।

उन्होंने दावा किया कि जो चुनाव फरवरी 2027 में होने तय हैं, वे इसके बजाय नवंबर 2026 में ही आयोजित हो सकते हैं। हालांकि, अपने संबोधन के दौरान केजरीवाल



ने चुनाव समय से पहले होने की संभावना के पीछे के स्पष्ट कारणों का खुलासा नहीं किया। लेकिन उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को आगाह करते हुए कहा कि यदि चुनाव पहले होते हैं, तो अब केवल कुछ ही महीनों का समय बचा है; इसलिए सभी कार्यकर्ता आज से ही चुनावी मोड़

में आ जाएं और तैयारियों में जुट जाएं। रोड शो के दौरान समर्थकों को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने नेतृत्व को लेकर जारी सभी कयासों पर विराम लगा दिया। उन्होंने स्पष्ट घोषणा की कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी भगवंत मान ही आम आदमी पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा

रहेंगे। केजरीवाल ने कहा, 'पिछले चार वर्षों में पंजाब सरकार के बेहतरीन प्रदर्शन ने जनता का दिल जीता है। हमारा पूरा ध्यान अब यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि भगवंत मान भारी बहुमत के साथ दोबारा मुख्यमंत्री के रूप में लौटें।' इस कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल के साथ खुद मुख्यमंत्री भगवंत मान, वरिष्ठ 'आप' नेता मनीष सिसोदिया और पंजाब 'आप' अध्यक्ष अमन अरोड़ा भी बटिंडा की सड़कों पर उतरे।

केजरीवाल ने हाल ही में संपन्न हुए नगर निगम चुनावों में बरनाला, मोगा, बटाला और बटिंडा में 'आप' के पार्षदों को मेयर चुने जाने पर मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। अरविंद केजरीवाल ने बिना किसी विपक्षी दल का सीधे

तौर पर नाम लिए, उन पर जमकर राजनीतिक बाण चलाए। इसके विपरीत, उन्होंने आम आदमी पार्टी को पूरी तरह जनता के कल्याण और विकास के प्रति समर्पित बताया। उन्होंने सीएम भगवंत मान की ईमानदारी की सराहना करते हुए कहा कि पिछले चार सालों में सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर कोई गड़बड़ी होती, तो केंद्रीय एजेंसियां अब तक कार्रवाई कर चुकी होतीं।

■ **चुनावी हुंकार के बीच बड़ी लोक-कल्याणकारी घोषणाएं**
पंजाब सरकार की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए केजरीवाल ने जनता के लिए दी जा रही सुविधाओं और आगामी योजनाओं का जिक्र किया।

जालंधर में दो युवकों को घेरकर ताबड़तोड़ फायरिंग, एक की मौत पेट पर गोली लगी; एक दिन पहले मारपीट हुई, अस्पताल जाते समय हमला

समर न्यूज़ | जालंधर

पंजाब के जालंधर में अस्पताल जा रहे दो युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, वारदात के पीछे 11 जून को हुई कहासुनी कारण रही।

दोनों गुटों में एक दिन पहले मारपीट हुई थी। मारपीट के दौरान एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। जब अगले दिन वो पट्टी कराने अस्पताल जा रहा था, तभी दूसरे पक्ष ने घेरकर गोलियों से भून दिया। मौके पर पहुंचे भागव कैप के एसएचओ (एसएचओ) ने बताया कि 5 से 7 हमलावरों ने



अटैक किया। कुछ हमलावरों की पहचान हो गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। चश्मदीद राजवीर के मुताबिक, पूरा विवाद गुरुवार को शुरू हुआ। 11 जून को मैं और सिमरनजीत (24) भट्टे खाने गए थे।

वहां पर गुल्लू और उसकी गैंग ने अटैक कर सिमरनजीत को जख्मी कर दिया था। पुलिस में शिकायत कर दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया था। सिमरनजीत सिंह पेशे से बिजली का काम करता है। अगले

दिन राजवीर और सिमरनजीत इलाज के लिए जा रहे थे। गुल्लू और उसके साथी पहले से घात लगाकर खड़े थे। चश्मदीदों के मुताबिक, आरोपियों ने अस्पताल जा रहे युवकों को रास्ते में ही रोक लिया। देखते ही देखते अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं।

सिमरनजीत की मौत सौरभ का चल रहा इलाज
गोली सबसे पहले सिमरनजीत सिंह को लगी, जिसके बाद उसे सिविल अस्पताल लाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। उसके बाद हमलावरों ने वहां मौजूद दूसरे युवक सौरव (23) को भी निशाना बनाया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। लोगों ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

अमृतसर में युवक की गोलियां मारकर हत्या, 7-8 राउंड फायर दुकान बंद कर घर जा रहा था; 5 महीने की एक बेटी

समर न्यूज़ | अमृतसर

अमृतसर के जंडियाला गुरु में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने 7-8 राउंड फायरिंग की। मृतक की पहचान मनीन्द्र सिंह उर्फ मन्ना के रूप में हुई है। वह विवाहित था और उसकी पांच महीने की एक बेटी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और हमलावरों की तलाश में जुटी हुई है। मनीन्द्र सिंह (25) रोजाना की तरह शुक्रवार को अपनी दुकान बंद कर रात करीब 10 बजे घर लौट रहा था। जैसे ही वह घर के

नजदीक पहुंचा, पहले से घात लगाए मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमलावरों ने 7 से 8 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से 3 से 4 गोलियां मनीन्द्र सिंह की पीठ में लगीं। घायल होने के बाद वह मौके पर ही गिर पड़ा।

गोलियों की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायल मनीन्द्र सिंह को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मामले में डीसीपी आलम विजय का कहना है कि हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

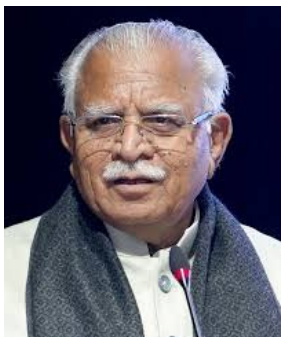
मनोहर लाल खट्टर का दावा:2027 में पंजाब में बनेगी भाजपा सरकार

कहा- भगवंत मान की दोबारा वापसी की कोई संभावना नहीं, भाजपा हो रही मजबूत

समर न्यूज़ | अमृतसर

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अमृतसर दौरे के दौरान केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस अवधि में देश की राजनीति की दिशा और कार्यशैली में बड़ा बदलाव आया है तथा जनता का भरोसा नेतृत्व पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है।

खट्टर ने दावा किया कि सरकार ने गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी है और करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में सफलता मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुफ्त राशन व्यवस्था, बिजली और



पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को उन्होंने प्रमुख उपलब्धियों के रूप में गिनाया। उन्होंने कहा कि देश में बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हुआ है, जिसमें सड़क, रेलवे, हवाई सेवाएं और बिजली उत्पादन में

उल्लेखनीय सुधार शामिल हैं। पंजाब की राजनीति पर बोलते हुए खट्टर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का अगला लक्ष्य 2027 में राज्य में सरकार बनाना है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी सभी 117 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ने की क्षमता रखती है और जरूरत पड़ने पर अकेले ही चुनाव मैदान में उतर सकती है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर पूछे गए सवाल पर खट्टर ने टिप्पणी की कि 2027 में मुख्यमंत्री कोई भी बन सकता है, लेकिन भगवंत मान के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की संभावना नहीं है। अपराध के कारण जनता असुरक्षित महसूस कर रही है।

समर न्यूज़ | पतलीकूहल

पंजाबी पर्यटकों की कार हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में करीब 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में पिता और बेटी की मौत हो गई, जबकि मां-बेटा व एक अन्य युवक गंभीर घायल है।

एक घायल को कुल्लू के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल दो लोगों को नरचौक मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। दोपहर बाद सभी टूरिस्ट नंबर की गाड़ी से मणिकर्ण जा रहे थे। इसी दौरान इनकी गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी। एक टूरिस्ट ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि एक की मौत अस्पताल ले जाते वक्त हुई। मृतकों में पिता परविन्दर (43), बेटी निधि दिवान (19) शामिल हैं।

अभिषेक बनर्जी के घर रात तीन बजे पुलिस की रेड, चार घंटे तक तलाशी

बाहर सेंट्रल फोर्स के जवान खड़े रहे; आरोप- ताला तोड़कर घुसे, सागरिका का दावा- कुछ नहीं मिला

एजेंसी | कोलकाता

ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर पर कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार देर रात 3 बजे छापा मारा। पुलिस टीम सेंट्रल फोर्स के जवानों के साथ पहुंची। पुलिस अधिकारी अंदर गए, जवान गेट के बाहर पहरा देते रहे। तलाशी अभियान करीब 4 घंटे तक चला।

छापे की सूचना मिलते ही ममता बनर्जी तुरंत अभिषेक के घर आईं, थोड़ी देर रुकीं फिर वापस चली गईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह छांमेमारी अभिषेक के पीए सुमित रॉय का पता लगाने के लिए की गई थी। सुमित के खिलाफ सालबोनी



पुलिस स्टेशन में 'वित्तीय धोखाधड़ी' को लेकर केस दर्ज है। तब से पुलिस सुमित की तलाश में है। रॉय का मोबाइल फोन आखिरी बार बनर्जी के कालीघाट आवास पर ट्रेस किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने यहां छापा

मारा। अभिषेक ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी ताला तोड़कर घर में घुसे और हर कमरे की तलाशी ली। अभिषेक के घर छांमेमारी ऐसे वक्त की गई जब फर्जी हस्ताक्षर मामले में उनके खिलाफ सीआईडी जांच जारी है।

फ्लाइट के टॉयलेट स्पीकर में छिपाकर लाया गया सोना जव्व

एजेंसी। अहमदाबाद

टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने एक्स पर लिखा कि तलाशी के दौरान पुलिस को कुछ नहीं मिला। बस राजनीतिक बदले की भावना, डराना-धमकाना और मानसिक प्रताड़ना। 'ऑपरेशन लोटस' उन सभी नेताओं को निशाना बना रहा है जो भाजपा के आदेशों के आगे झुकने से इनकार करते हैं। विपक्ष के खिलाफ बदले की भावना से किया गया काम है। यह घटिया हरकत है। शर्म की बात है।

अभिषेक बनर्जी से जुड़ा फर्जी साइन विवाद ही टीएमसी की टूट का कारण बना। ममता ने शिकायत करने वाले 2 विधायकों संदीपन साहा और ऋतबत बनर्जी को पार्टी से निकाल दिया था।

फ्लाइट के टॉयलेट स्पीकर में छिपाकर लाया गया सोना जव्व

सीमा शुल्क (कस्टम) विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दुबई से आई एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में करीब 4 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जव्व किया है। जांच के दौरान विमान के टॉयलेट स्पीकर के भीतर छिपाकर रखे गए दो थैलों में 24 सोने के बिस्कुट बरामद किए गए।

यह विमान दुबई से रवाना होकर अहमदाबाद पहुंचा था। नियमित जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों को संदेह हुआ, जिसके बाद गहन तलाशी अभियान चलाया गया। इसी दौरान विमान के शौचालय क्षेत्र में लगे एक स्पीकर बॉक्स में छिपाकर रखा गया सोना मिला। अधिकारियों का कहना है कि तस्करो ने सोना छिपाने के लिए बेहद असामान्य तरीका अपनाया था।

बेटी पर अभद्र टिप्पणियों से भड़के अखिलेश यादव सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पोस्ट पर जताई नाराजगी, कहा-परिवार को राजनीतिक बहसों में घसीटना गलत

एजेंसी | लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी को लेकर की जा रही कथित अभद्र टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने इस तरह की टिप्पणियों को "निम्न स्तर की राजनीति और सामाजिक गिरावट" का उदाहरण बताया।

सूत्रों और सोशल मीडिया पर सामने आए पोस्ट्स के अनुसार, कुछ यूजर्स द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद यह मामला तूल पकड़ गया। इसके बाद अखिलेश यादव ने सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि व्यक्तिगत जीवन और परिवार को राजनीतिक बहसों में



घसीटना गलत है। इस घटना के बाद राजनीतिक माहौल भी गरमा गया है। समाजवादी पार्टी के कई नेताओं ने भी इन टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में असहमति होना अलग बात है, लेकिन किसी के परिवार, विशेषकर बच्चों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। वहीं, विपक्षी दलों की ओर से इस मुद्दे पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। कुछ नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बढ़ती अभद्र भाषा

पर नियंत्रण की आवश्यकता बताई है, जबकि कुछ ने यह व्यक्तिगत विवाद करार दिया है।

यह मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी तीखी बहस शुरू हो गई है। एक ओर यूजर्स ने अभद्र टिप्पणियों की निंदा की है, वहीं दूसरी ओर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभिव्यक्ति की सीमाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ती अनियंत्रित भाषा एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है, जिसके लिए सख्त मॉडरेशन और कानूनी जागरूकता जरूरी है। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि राजनीतिक विमर्श और व्यक्तिगत हमलों के बीच सीमा रेखा कहां खींची जाए।

जनता में भाजपा के खिलाफ बढ़ रही नाराजगी अगला लोकसभा चुनाव हमारे पक्ष में : राहुल विपक्ष के नेता ने विपक्षी एकजुटता पर जोर, इंडिया ब्लॉक को दिया संदेश

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश के कई हिस्सों में जनता के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ नाराजगी बढ़ रही है।

उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक बेहतर प्रदर्शन करेगा, बशर्ते सभी दल मिलकर रणनीति के साथ चुनाव लड़ें। राहुल गांधी ने अपने हालिया संबोधन में विपक्षी दलों को एकजुट रहने का संदेश देते हुए कहा कि बिखरा हुआ विपक्ष सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाता है, इसलिए साझा रणनीति और समन्वय जरूरी है। अपने बयान में राहुल गांधी ने महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक



असमानता जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आम जनता इन समस्याओं से परेशान है और इसका असर राजनीतिक माहौल पर साफ दिखाई दे रहा है। हालांकि, जमीनी स्तर पर गठबंधन की चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जिन्हें आगामी चुनावों से पहले सुलझाना अहम होगा। नीट पेपरलीक मामले के बाद अब कांग्रेस ने इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है।

में सीट बंटवारे और रणनीति को लेकर चर्चा जारी है। कई दलों के बीच क्षेत्रीय स्तर पर तालमेल को मजबूत करने की कोशिशें भी चल रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि विपक्ष की सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि विभिन्न दल कितनी प्रभावी तरीके से एकजुट होकर चुनावी रणनीति बनाते हैं।

राहुल गांधी का यह बयान विपक्षी राजनीति में एकजुटता और रणनीतिक सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित करता है। हालांकि, जमीनी स्तर पर गठबंधन की चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जिन्हें आगामी चुनावों से पहले सुलझाना अहम होगा। नीट पेपरलीक मामले के बाद अब कांग्रेस ने इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है।

फूड पैकेजिंग में स्टेपल पिन व तार के इस्तेमाल पर रोक

एजेंसी। नई दिल्ली

खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने फूड पैकेजिंग में स्टेपल पिन और तार के उपयोग को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। नए नियमों के अनुसार, ऐसे किसी भी धातु के टुकड़े का उपयोग पैकेजिंग सामग्री को बंद करने या सजावट के रूप में नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है।

यह निर्देश खास तौर पर उन उत्पादों पर लागू होगा जहां केक बॉक्स, मिठाई के डिब्बे और अन्य रेडी-टू-ईट फूड आइटम्स की पैकेजिंग में स्टेपल पिन या तार का उपयोग आमतौर पर किया जाता रहा है। एफएसएसआई के अनुसार, पैकेजिंग में उपयोग होने वाले छोटे धातु टुकड़े भोजन के साथ मिलकर उपभोक्ताओं के

स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं। कई मामलों में यह देखा गया है कि अनजाने में स्टेपल पिन भोजन के साथ मिल सकता है, जिससे चोट या संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक पैकेजिंग तकनीक उपलब्ध होने के बावजूद कुछ छोटे विक्रेता अभी भी सस्ते और पुराने तरीकों का उपयोग करते हैं, जो सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं हैं।

अक्सर केक बॉक्स को बंद करने के लिए स्टेपल पिन का इस्तेमाल करते हैं। अब उन्हें विकल्प के तौर पर चिपकने वाली टेप, फूड-ग्रेड लॉकिंग सिस्टम या अन्य सुरक्षित पैकेजिंग तकनीकों का उपयोग करना होगा। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव शुरुआती दौर में लातत बढ़ा सकता है, लेकिन लंबे समय में यह उपभोक्ता सुरक्षा के लिए फायदेमंद होगा।

तीसरी संतान को लेकर एमपी में अफसर बर्खास्त नीति पर उठे सवाल

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश में तीसरी संतान को लेकर एक सरकारी अधिकारी की सेवा समाप्त किए जाने का मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। संबंधित विभाग ने आदेश जारी करते हुए अधिकारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया। इस कार्रवाई से पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव का बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि नौकरी नहीं छीनी जाएगी। इसके बावजूद विभागीय कार्रवाई होने से स्थिति पर असमंजस की स्थिति बन गई है।

सूत्रों के अनुसार, उन्हें मुख्यमंत्री स्तर से दिए गए कथित निर्देशों की औपचारिक प्रति या स्पष्ट आदेश प्राप्त नहीं हुआ था, जिसके चलते निर्धारित नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई।

515 कैडेट्स अंतिम पग पार कर बने सैन्य अधिकारी

एजेंसी | देहरादून

देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) में 158वीं पांसिंग आउट पेरेंड (पीओपी) और पिपिंग सेरेमनी हुई। जिसमें परिजनों और सैन्य अधिकारियों ने कैडेट्स के कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें भारतीय सेना में कमीशंड अधिकारी बनने की बधाई दी। इसके बाद आईएमए परिसर में जश्न का माहौल देखने को मिला। अधिकारियों ने अपने परिजनों और साथियों के साथ खुशी मनाई। किसी ने साथियों को कंधों पर उठाया तो किसी ने हवा में उछालकर उत्साह जताया। पेरेंड में कुल 515 कैडेट्स ने प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में कमीशंड अधिकारी के रूप में कदम रखा। इनमें 481 भारतीय और 34 विदेशी कैडेट्स शामिल

हैं। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। उनके साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल लेफ्टिनेंट गेनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह भी उपस्थित रहे। समीक्षा अधिकारी के रूप में राष्ट्रपति ने पेरेंड का निरीक्षण किया, कैडेट्स की सलाामी ली और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को स्वीर्ड ऑफ ऑनर तथा अन्य पदक प्रदान किए।

इसके बाद कैडेट्स ने चेतवुड भवन के सामने स्थित ऐतिहासिक 'अंतिम पग' को पार किया। इस रेखा को पार करते ही उनका कैडेट जीवन समाप्त हो गया और वे भारतीय सेना के कमीशंड अधिकारी बन गए। अंतिम पग के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई।

भारत में फिर तेज हुई प्लास्टिक नोट की चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में प्लास्टिक के नोट लाने की संभावना ने उन देशों में नई दिलचस्पी जगाई है जिन्होंने इस टेक्नोलॉजी की शुरुआत की थी। ऑस्ट्रेलिया दुनिया का पहला देश था जिसने 1988 में पॉलीमर नोट जारी किया और करेंसी की सुरक्षा और मजबूती के लिए एक नया ग्लोबल स्टैंडर्ड सेट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने 1988 में पॉलीमर नोट जारी करने वाला पहला देश बनकर इतिहास रचा था। इस कदम का मकसद नकली नोटों को रोकना और करेंसी की उम्र बढ़ाना था। तब से कई देशों ने अपने नोटों के लिए इस तरह की टेक्नोलॉजी अपनाई है।

ऑस्ट्रेलिया ने 1988 में पॉलीमर नोट जारी करने वाला पहला देश बनकर इतिहास रचा था। इस कदम का मकसद नकली नोटों को रोकना और करेंसी की उम्र बढ़ाना था। तब से कई देशों ने अपने नोटों के लिए इस तरह की टेक्नोलॉजी अपनाई है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के आधार पर भारतीय 500 रुपये के नोट की कीमत लगभग 7.45 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर है। एक्सचेंज वैल्यू इंटरनेशनल करेंसी मार्केट के हिसाब से बदलती रहती है, लेकिन इससे खरीदने की क्षमता की एक उपयोगी तुलना मिलती है।

ऑस्ट्रेलियाई डॉलर को दुनिया की सबसे प्रभावशाली करेंसी में से एक माना जाता है। अभी एक ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की कीमत लगभग 66.92 रुपये है। यह भारतीय रुपये और कई दूसरी करेंसी के मुकाबले इसकी मजबूत स्थिति को दिखाता है।

ऑस्ट्रेलियाई डॉलर दुनिया की टॉप 5 सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाली करेंसी में शामिल है। इसकी



4 से 5 गुना ज्यादा समय तक चलते हैं

पॉलीमर नोटों का एक सबसे बड़ा फायदा उनकी मजबूती है। ये नोट आमतौर पर पारंपरिक कागजी करेंसी की तुलना में 4 से 5 गुना ज्यादा समय तक चलते हैं। इससे इन्हें बदलने का खर्च कम होता है और समय के साथ यह ज्यादा किफायती साबित होते हैं। पॉलीमर नोटों का एक सबसे बड़ा फायदा उनकी मजबूती है। ये नोट आमतौर पर पारंपरिक कागजी करेंसी की तुलना में 4 से 5 गुना ज्यादा समय तक चलते हैं। इससे इन्हें बदलने का खर्च कम होता है और समय के साथ यह ज्यादा किफायती साबित होते हैं। प्लास्टिक नोट पानी, नमी, गंदगी और घिसाव से आसानी से खराब नहीं होते। इनमें एडवांस्ड सिक्योरिटी फीचर भी होते हैं। इससे नकली नोट बनाना मुश्किल हो जाता है। प्लास्टिक नोट पानी, नमी, गंदगी और घिसाव से आसानी से खराब नहीं होते। इनमें एडवांस्ड सिक्योरिटी फीचर भी होते हैं। इससे नकली नोट बनाना मुश्किल हो जाता है।

के मुकाबले इसकी मजबूत स्थिति को दिखाता है। ऑस्ट्रेलियाई डॉलर को दुनिया की सबसे प्रभावशाली करेंसी में से एक माना जाता है। अभी एक ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की कीमत लगभग 66.92 रुपये है। यह भारतीय रुपये और कई दूसरी करेंसी के मुकाबले इसकी मजबूत स्थिति को दिखाता है।

ऑस्ट्रेलियाई डॉलर दुनिया की टॉप 5 सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाली करेंसी में शामिल है। इसकी

लोकप्रियता की वजह ऑस्ट्रेलिया की स्थिर इकॉनमी, मजबूत फाइनेंशियल सिस्टम और ग्लोबल कर्मांडिटी एक्सपोर्ट में इसकी बड़ी भूमिका है। ऑस्ट्रेलियाई डॉलर दुनिया की टॉप 5 सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाली करेंसी में शामिल है। इसकी लोकप्रियता की वजह ऑस्ट्रेलिया की स्थिर इकॉनमी, मजबूत फाइनेंशियल सिस्टम और ग्लोबल कर्मांडिटी एक्सपोर्ट में इसकी बड़ी भूमिका है।

हुकम न मानना अनैतिक आचरण नहीं: सुप्रीम कोर्ट अनुशासनहीनता नौकरी से निकालने की वजह नहीं



एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी में कहा कि किसी पुराने कर्मचारी को अनुशासनहीनता, हुकूम या आदेश न मानने के लिए नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। ऐसी सजा सिर्फ भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण या एम्प्लॉयर को नुकसान पहुंचाने वाली बुरी नीयत वाली हरकतों के केस में ही दी जानी चाहिए। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन.के. सिंह की बेंच ने एक मामले की सुनवाई के दौरान ये बात कही है।

बेंच ने कहा कि हम काम की जगह पर अनुशासन के महत्व को कम नहीं आंक रहे हैं। लेकिन भ्रष्टाचार, गैर-कानूनी तरीके से पैसे लेना, अनैतिक आचरण, फंड का गलत इस्तेमाल, एम्प्लॉयर को साबित नुकसान, सार्वजनिक बदनामी या संगठन की बदनामी करने वाले व्यवहार के बिना, किसी कर्मचारी को नौकरी से निकालने जैसी कड़ी सजा नहीं दी जा सकती।

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि सजा का गलत काम की गंभीरता, पिछले सर्विस रिकॉर्ड, आस-पास के हालात और संस्थान पर गलत काम के असर से उचित संबंध होना चाहिए। महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एक कर्मचारी को नौकरी से निकालने के 2017 के आदेश को रद्द करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि नौकरी से निकालने पर कर्मचारी और मालिक का रिश्ता हमेशा के लिए खत्म हो

बिरयानी में मक्खी, ग्राहक को 10 प्लेट मुफ्त देने का आदेश

एजेंसी। पड़ुचेरी

पड़ुचेरी में एक रेस्टोरेंट को उस समय मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा जब एक ग्राहक द्वारा ऑर्डर की गई बिरयानी में कथित तौर पर मक्खी मिलने का मामला उपभोक्ता आयोग तक पहुंच गया। मामले की सुनवाई के बाद उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने रेस्टोरेंट को ग्राहक को 10 प्लेट बिरयानी मुफ्त देने का आदेश दिया है।

ग्राहक ने एक स्थानीय रेस्टोरेंट से बिरयानी ऑर्डर की थी। भोजन के दौरान उसमें कथित रूप से एक मक्खी पाई गई, जिसके बाद ग्राहक ने इसे खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता में गंभीर कमी बताते हुए शिकायत दर्ज कराई। शुरुआत में रेस्टोरेंट प्रबंधन ने इसे अस्वीकार किया, लेकिन विवाद बढ़ने पर मामला उपभोक्ता फोरम में पहुंच गया।

पेज 3 एंकर स्टोरी

उम्र रोकने की दवा का पहली बार इंसान पर परीक्षण

एजेंसी। बोस्टन

मेडिकल साइंस के सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक 'रिवर्स-एजिंग' यानी बुढ़ापा रोकने की दवा का इंसानों पर पहला ट्रायल शुरू हो गया है। पहली बार उम्र के असर को उलटने वाला इंजेक्शन किसी इंसान को लगाया गया है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित बायोटेक स्टार्टअप 'लाइफ बायोसाइंसेज' ने बताया कि उनके पहले मरीज को सेल्यूलर रीप्रोग्रामिंग का इंजेक्शन दो सेल्फेक्शन के तहत यह इंजेक्शन ग्लूकोमा (काला मोतिया) से पीड़ित मरीज की एक आंख की पुतली में लगाया गया है। इस ट्रायल का मुख्य उद्देश्य उम्र बढ़ने के कारण कमजोर हो चुकी कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है। अगले 6 महीने तक वैज्ञानिक इसके असर और साइड इफेक्ट्स पर नजर रखेंगे।

इससे पहले चूहों और बंदरों पर हो चुका है सफल टेस्ट :

एलॉन मस्क दुनिया के पहले खरबपति बने ताइवान की अर्थव्यवस्था से भी ज्यादा संपत्ति

स्पेसएक्स के रिकॉर्ड आईपीओ ने बढ़ाई दौलत, 1 ट्रिलियन डॉलर क्लब में पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बने मस्क

एजेंसी। वॉशिंगटन डीसी

दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलॉन मस्क ने एक नया आर्थिक इतिहास रच दिया है। स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी स्पेसएक्स के रिकॉर्ड आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) के बाद उनकी कुल संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर (एक खरब डॉलर) के पार पहुंच गई है।

इसके साथ ही मस्क दुनिया के पहले ऐसे व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने खरबपति का दर्जा हासिल किया है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टों के अनुसार स्पेसएक्स के शेयर बाजार में उतरने से कंपनी का मूल्यांकन अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया। इसका सबसे बड़ा फायदा कंपनी के सबसे बड़े शेयरधारक एलॉन मस्क को मिला, जिनकी



संपत्ति में कुछ ही समय में सैकड़ों अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। विभिन्न वित्तीय संस्थानों और मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति अब 1 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर आंकी जा रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि मस्क की संपत्ति अब कई देशों की वार्षिक अर्थव्यवस्था के बराबर या उससे अधिक हो चुकी है। इसी संदर्भ में

ताइवान की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का उल्लेख किया जा रहा है, जिसकी तुलना में मस्क की व्यक्तिगत संपत्ति चर्चा का विषय बनी हुई है।

इससे यह भी स्पष्ट होता है कि बीते कुछ वर्षों में तकनीकी और अंतरिक्ष क्षेत्र की कंपनियों ने किस तेजी से मूल्य अर्जित किया है। एलॉन मस्क की संपत्ति का

12 साल की बच्ची बनकर 14 महीने तक करती रही धोखा ब्राजील में पहचान छिपाकर स्कूल में पढ़ती रही महिला

एजेंसी। ब्रासिलिया

ब्राजील में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने प्रशासन के साथ-साथ आम लोगों को भी हैरान कर दिया है। यहां 37 वर्षीय एक महिला ने खुद को 12 साल की बच्ची बताकर करीब 14 महीने तक लोगों को धोखे में रखा।

महिला न केवल नाबालिग होने का दावा करती रही, बल्कि उसने स्कूल में दाखिला लेकर छात्रों के बीच पढ़ाई भी की। मामले का खुलासा होने के बाद स्थानीय प्रशासन और बाल संरक्षण एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार महिला ने अपनी असली पहचान छिपाकर एक नई पहचान बनाई और खुद को परिवार से बिछड़ी हुई किशोरी बताया।

उसने अधिकारियों को विश्वास दिलाया कि उसके पास कोई वैध पहचान दस्तावेज नहीं है और उसे संरक्षण की आवश्यकता है। शुरुआती जांच में उसके दावों को सही मान लिया गया, जिसके बाद उसे बाल संरक्षण प्रणाली के तहत सहायता उपलब्ध कराई गई।

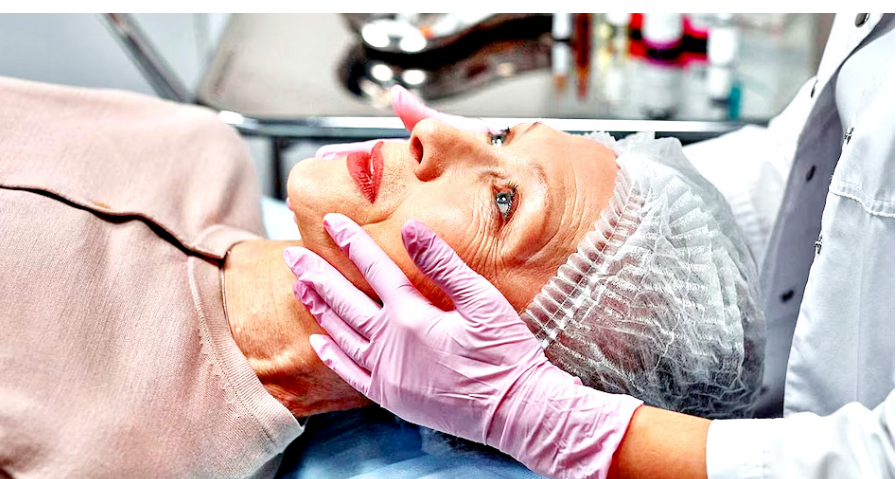
बताया जा रहा है कि महिला ने स्थानीय स्कूल में दाखिला लिया और नियमित रूप से कक्षाओं में भी भाग लेने लगी। इस दौरान उसने सहपाठियों, शिक्षकों और सामाजिक

कार्यकर्ताओं का विश्वास जीत लिया। कई लोगों को उसके व्यवहार पर संदेह नहीं हुआ, क्योंकि वह लगातार अपनी बनाई हुई कहानी पर कायम रही। हालांकि समय के साथ कुछ अधिकारियों को उसके बारे में शंका होने लगी। जांच के दौरान उसके बयान और उपलब्ध रिकॉर्ड में कई विरोधाभास सामने आए।

इसके बाद पहचान संबंधी दस्तावेजों और अन्य आधिकारिक सूचनाओं की गहन जांच की गई। जांच में पता चला कि जिस लड़की को 12 वर्षीय किशोरी समझा जा रहा था, वह 37 साल की महिला है।

प्रशासन ने महिला से पूछताछ शुरू कर दी है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया और उसका उद्देश्य क्या था। कुछ रिपोर्टों में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं की भी जांच किए जाने की बात कही गई है, हालांकि अधिकारियों ने इस संबंध में कोई अंतिम निष्कर्ष जारी नहीं किया है। इस घटना ने बाल संरक्षण व्यवस्था, पहचान सत्यापन प्रक्रिया और सरकारी रिकॉर्ड की जांच प्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि संवेदनशील मामलों में सहायता प्रदान करते समय मानवीय दृष्टिकोण के साथ-साथ पहचान संबंधी तथ्यों का गहन सत्यापन भी आवश्यक है।

ग्लूकोमा से पीड़ित एक मरीज की आंख की पुतली में लगाया गया इंजेक्शन



अब डॉक्टर और वैज्ञानिक आने वाले कई महीनों तक मरीज की बारीकी से निगरानी करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह तकनीक इंसानी शरीर के लिए पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं। इस थेरेपी में सबसे पहले मरीज की आंख में एक सिंगल जीन थेरेपी इंजेक्शन दिया गया है। इसके बाद कुछ हफ्तों

तक एंटीबायोटिक दवाओं का एक विशेष कोर्स कराया जाएगा। यह एंटीबायोटिक दवा शरीर के भीतर जाकर उन तीन इलाज करने वाले जीनों के लिए 'ऑन स्विच' का काम करेगी, जो कोशिकाओं को रीप्रोग्राम (युवा) करना शुरू करते हैं। इससे पहले चूहों और बंदरों पर हुए टेस्ट में इसने उनकी रोशनी

सफलतापूर्वक वापस लौटा दी थी। इस थेरेपी के लिए इंसानों की आंख को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंख शरीर के बाकी हिस्सों से अलग और सुरक्षित होती है। इससे साइड इफेक्ट्स पर नजर रखना भी आसान होता है।

परीक्षण सफल रहा तो एजिंग थेरेपी का नया दौर

अत्यधिक संपत्ति का केंद्रित होना चिंता का विषय

हालांकि मस्क की बढ़ती संपत्ति के साथ बहस भी तेज हो गई है। आर्थिक असमानता पर काम करने वाले कई संगठनों का मानना है कि दुनिया में कुछ लोगों के हाथों में अत्यधिक संपत्ति का केंद्रित होना चिंता का विषय है। वहीं समर्थकों का तर्क है कि मस्क ने इलेक्ट्रिक वाहन, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में नवाचार को नई दिशा दी है, जिसके कारण उनकी कंपनियों का मूल्य

तेजी से बढ़ा है। विश्लेषकों के अनुसार मस्क की संपत्ति में भविष्य में उतार-चढ़ाव संभव है, क्योंकि इसका बड़ा हिस्सा शेयर बाजार और कंपनियों के मूल्यांकन पर निर्भर करता है।

फिर भी फिलहाल उन्होंने वैश्विक धन-संपत्ति के इतिहास में एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है, जिसे कुछ वर्ष पहले तक असंभव माना जाता था। दुनिया की नजर अब इस बात पर है कि क्या आने वाले वर्षों में कोई अन्य अरबपति भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के करीब पहुंच पाता है।

बड़ा हिस्सा नकदी के रूप में नहीं, बल्कि उनकी कंपनियों में हिस्सेदारी के रूप में है। स्पेसएक्स के अलावा वे टेस्ला, एक्स, न्यूरालिंक और द बोरिंग कंपनी जैसी कंपनियों से

जुड़े हुए हैं। खासकर स्पेसएक्स और उसकी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिनक की बढ़ती कारोबारी सफलता ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है।

पांच ट्रिलियन जीडीपी का टारगेट नहीं छू पाया भारत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के बीच 5 ट्रिलियन डॉलर (5 लाख करोड़ डॉलर) की अर्थव्यवस्था बनने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा था, जो पूरा नहीं हो पाया है। साल 2026 के मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था इस वक्त लगभग 4.15 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर है। यानी कि भारत अपने तय किए गए लक्ष्य से करीब 850 अरब डॉलर पीछे है। हैरान करने वाली बात यह है कि साल 2025-26 में भारत की जीडीपी 2018-19 के 189 लाख करोड़ से लगभग दोगुना 346 लाख करोड़ रुपये है। फिर भी 2019 में भाजपा के संकल्प पत्र में तय किए गए लक्ष्य को पूरा करने में कहां दिक्कतें आ रही हैं?

• क्यों टूट रहे हैं सपने?

जीडीपी के लक्ष्य को अमेरिकी डॉलर में मापा जाता है। 2019 में जब जीडीपी को 2024-25 तक 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का टारगेट सेट किया गया था, तब डॉलर के मुकाबले रुपया 70 के आसपास था। यानी एक अमेरिकी डॉलर 70 रुपये के बराबर था। अब यही रुपया टूटकर डॉलर के मुकाबले 95.63 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर आ गया है। घरेलू स्तर पर अर्थव्यवस्था मजबूत होने के बावजूद डॉलर के टर्म में भारत की जीडीपी का साइज छोटा हो जाता है। साल 2020 में कोरोना महामारी के दौर में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट घटकर -5.8% के स्तर पर चली गई थी। वैश्विक महामारी के चलते साल 2020 और 2021- इन दो सालों में अर्थव्यवस्था को इतना नुकसान पहुंचा कि इससे उबरने में लंबा वक्त लग गया।

• कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतें

ईरान-अमेरिका में जंग, पश्चिम एशिया में तनाव और फलस्वरूप होमुज के जरिए एनर्जी सप्लाई रुकने की वजह से ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के रेंज को पार कर चुकी है। चूंकि भारत अपनी



जरूरत का 80% से ज्यादा तेल दूसरे देशों से आयात करता है। ऐसे में कच्चा तेल के महंगा होने से आयात पर पहले के मुकाबले खर्च बढ़ जाता है, विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से कम होता जाता है, जिससे चालू खाते का घाटा बढ़ता है। कुल मिलाकर रुपये पर दबाव बढ़ता जाता है और डॉलर के मुकाबले उसकी वैल्यू कम होती जाती है।

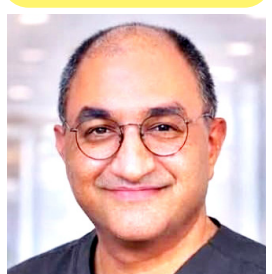
• एक्सपोर्ट की धीमी रफ्तार

रुस-यूक्रेन में जंग और इथर मिडिल-ईस्ट में तनाव के चलते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था धीमी पड़ रही है। वैश्विक मांग घटने की वजह से भारत का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ पाया, जिससे मैनुफैक्चरिंग सेक्टर को भी ग्रोथ हासिल करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

• कब 5 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंचेगी भारत की इकोनॉमी?

यह ग्रोथ और एक्सचेंज दोनों पर निर्भर करता है। वर्तमान समय में भारत 6.5%-6.6% की वार्षिक दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। एसबीआई की रिसर्च में मुख्य आर्थिक सलाहकार के लगाए गए अनुमान के मुताबिक, अगर रुपया 95 डॉलर के स्तर पर स्थिर रहता है, तो भारत वित्त वर्ष 2028-29 या 2029-30 तक 5 ट्रिलियन डॉलर के इस मील के पथर को आसानी से हासिल कर सकता है।

Good DAY



समर न्यूज़ | लुधियाना

नई सुबह अपने साथ उम्मीदों की नई किरण लेकर आई है। यह दिन आपके जीवन में उत्साह, आत्मविश्वास और सफलता के नए अवसर लेकर आए। हर चुनौती को सकारात्मक सोच के साथ स्वीकार करें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ते रहें। ईश्वर करें आज का दिन आपके लिए खुशियों, उपलब्धियों और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहे।

प्रो. (डॉ.) अश्विंद बावा निदेशक, हर्निया इंस्टीट्यूट, बावा हॉस्पिटल

नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई: हरियाणा में 10 खेल नर्सरियों पर गिरी गाज संसाधनों की कमी, अनियमितताओं के चलते बंद होंगी खेल नर्सरियां

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने खेल सुविधाओं की बदहाल स्थिति और नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न जिलों में संचालित 10 खेल नर्सरियों को बंद करने का निर्णय लिया है। विभागीय जांच में खेल संसाधनों की कमी, खराब रखरखाव और खिलाड़ियों की उपस्थिति से जुड़े रिकॉर्ड में गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

‘खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने हाल ही में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर राज्य की सभी राजकीय स्कूलों और पंचायतों के अधीन संचालित खेल नर्सरियों की विस्तृत ग्राउंड रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर नर्सरियों का निरीक्षण किया और जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई



की सिफारिश की। जारी रिपोर्ट के अनुसार नूंह जिले के राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में संचालित तीन खेल नर्सरियों को बंद कर दिया गया है। यमुनानगर के शहीद परमिंद सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, तेजली में संचालित साइक्लिंग नर्सरी पर भी ताला लगा दिया गया है।

इसके अलावा हिसार जिले में आर्य नगर स्थित राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की बॉक्सिंग

अभ्यास के लिए आवश्यक खेल उपकरण और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। कई स्थानों पर खेल मैदानों की स्थिति बेहद खराब मिली, जिससे खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हुए। इसके अलावा रिकॉर्ड में दर्ज खिलाड़ियों की संख्या और वास्तविक रूप से अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों की संख्या में बड़ा अंतर पाया गया।

ओलंपिक तैयारियों के मद्देनजर सख्त कदम: खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि भारत वर्ष 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए प्रयासरत है। ऐसे में खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और खेल ढांचे को मजबूत बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश को भविष्य में अधिक से अधिक ओलंपिक पदक दिलाने के लिए जमीनी स्तर पर खेल व्यवस्था को सुदृढ़ करना प्राथमिकता है।

गर्नौर कोर्ट परिसर में चैंबरों में बिजली मीटर लगाने का कार्य शुरू

समर न्यूज़ | ग़नौर

गर्नौर कोर्ट कॉम्प्लेक्स में बने वकीलों के चैंबरों में बिजली सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज हो गई है। बिजली कनेक्शन के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने वाले अधिवक्ताओं के चैंबरों में बिजली निगम की टीम द्वारा मीटर स्थापित किए जा रहे हैं।

हालांकि, चैंबर आवंटन से जुड़े मामले के हार्डकोर्ट में लंबित होने का हवाला देते हुए इस कार्रवाई पर आपत्ति भी दर्ज कराई गई है। अधिवक्ता अशोक सैनी ने बिजली निगम को शिकायत भेजकर विवादित चैंबरों में बिजली कनेक्शन जारी करने पर रोक लगाने की मांग की है।

शिकायत में कहा गया है कि जब तक चैंबर आवंटन से संबंधित मामला न्यायालय में विचाराधीन है, तब तक बिजली कनेक्शन देने की प्रक्रिया नहीं अपनाई जानी चाहिए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि विवादित चैंबरों को बिजली कनेक्शन जारी किए गए तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की जाएगी।

हरियाणा में बदला मौसम का मिजाज, आंधी व बारिश से गर्मी से राहत, कई जिलों में नुकसान

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

जून माह में सक्रिय हुए तीसरे पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हरियाणा के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी और बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है और 15 जून तक मौसम के इसी तरह बने रहने की संभावना है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 10 जून की रात सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के चलते हिसार, सिरसा, भिवानी, जींद, गुरुग्राम, करनाल और सोनीपत सहित 14 जिलों में अच्छी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके चलते दिन के तापमान में 3 से 9 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज हुई, जबकि रात का तापमान भी 3 से 7 डिग्री सेल्सियस तक कम हुआ है। प्रदेश में सबसे अधिक राहत जींद और रोहतक में दर्ज की गई,



जहां तापमान में क्रमशः 7.2 और 8.9 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी गई। करनाल में 29.8 मिमी और जींद में 32 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि गुरुग्राम, महेंद्रगढ़ और हिसार में भी बारिश का असर साफ दिखाई दिया।

हालांकि मौसम में आए इस बदलाव ने जहां लोगों को तपती गर्मी से राहत दी है, वहीं तेज आंधी और तूफान ने कई क्षेत्रों में नुकसान भी पहुंचाया है। 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चली हवाओं के कारण बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है और कृषि क्षेत्र को भी नुकसान

पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। हिसार और फतेहाबाद जिले आंधी-तूफान से सबसे अधिक प्रभावित बताए जा रहे हैं। कई स्थानों पर पेड़ उखड़ने, बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त होने और विद्युत आपूर्ति बाधित होने की घटनाएं सामने आई हैं।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने, तेज हवाएं चलने और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने और आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलने की अपील की है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने कंगना संग देखी फिल्म भाजपा सांसद कंगना ने मुख्यमंत्री से की थी मुलाकात, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

राकेश कुमार शर्मा | चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार शाम चंडीगढ़ में आयोजित फिल्म ‘भारत भाग्य विधाता’ के विशेष प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं इस दौरान अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत भी मौजूद रहीं। एक दिन पहले मुख्यमंत्री और कंगना रनौत की दिल्ली में मुलाकात हुई थी।

इस मुलाकात के बाद दोनों के एक साथ फिल्म देखने की जानकारी सामने आई। वहीं कार्यक्रम को लेकर चंडीगढ़ और हरियाणा के राजनीतिक और फिल्मी हलकों में चर्चा बनी हुई है। दरअसल दिल्ली में हुई मुलाकात के



दौरान मुख्यमंत्री सैनी और कंगना रनौत के बीच फिल्म और विभिन्न समसामयिक विषयों पर बातचीत हुई थी। इसी दौरान फिल्म के विशेष प्रदर्शन को लेकर भी चर्चा हुई थी। दोनों शनिवार को आयोजित होने वाले शो में एक साथ शामिल हुए। मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि आमतौर पर किसी फिल्म के विशेष प्रदर्शन में किसी राज्य के मुख्यमंत्री की मौजूदगी कम ही देखने को मिलती

है। फिल्म ‘भारत भाग्य विधाता’ में कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभा रही हैं। फिल्म देशभक्ति, नेतृत्व और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर आधारित बताई जा रही है। रिलीज के बाद फिल्म को लेकर अलग-अलग स्तर पर चर्चा देखने को मिली है। कंगना रनौत फिल्म जगत की चर्चित हस्तियों में शामिल हैं। हाल के वर्षों में सांसद बनने के बाद उनकी राजनीतिक पहचान भी मजबूत हुई है।

कैथल में लूट की दो वारदातों के बाद पुलिस का एक्शन कलायत क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद तीन बदमाश गिरफ्तार, एक साथी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

समर न्यूज़ | कैथल

जिले में शनिवार तड़के लूट की दो वारदातों को अंजाम देकर फरार हो रहे चार बदमाशों में से तीन को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस और आरोपियों के बीच दो अलग-अलग स्थानों पर हुई कार्रवाई के दौरान तीनों बदमाश घायल हो गए, जबकि उनका एक साथी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसकी तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुलिस के अनुसार देर रात कलायत क्षेत्र स्थित सहारण होटल में चार हथियारबंद बदमाश लूटपाट के इरादे से पहुंचे थे। हालांकि होटल संचालक रामनरेश, कर्मचारियों और वहां मौजूद लोगों के विरोध के चलते



आरोपी अपनी योजना में सफल नहीं हो सके और मौके से फरार हो गए। होटल से भागने के बाद आरोपी बलराज नगर स्थित त्रिमूर्ति कोटे के समीप एक पेट्रोल पंप के बाहर पहुंचे। यहां उन्होंने स्कूटी सवार एक व्यक्ति को रोक लिया और हथियार के बल पर उसे धमकाया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके सिर पर

डंडे से हमला कर दिया। पीड़ित के गिरने के बाद बदमाश उसकी स्कूटी और डिग्री में रखी करीब 60 हजार रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सीआईएफ कलायत और एवीटी कैथल की टीमों ने संयुक्त अभियान चलाते हुए आरोपियों का पीछा शुरू कर दिया। पहली मुठभेड़ शुरार मिल के

नजदीक हुई, जहां पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें काबू कर लिया गया। इसके बाद सुबह करीब 7:15 बजे गांव ग्योंग के खेतों में दूसरी मुठभेड़ हुई, जिसमें तीसरा आरोपी भी घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जींद जिले के गांव खांडा निवासी अंकित, गोल्ड और निरंजन के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

डीएसपी क्राइम सुशील प्रकाश ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि चौथे आरोपी की तलाश जारी है। आरोपियों के आतराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। उन्हें जल्द पकड़ लिया जाएगा।

फरीदाबाद में अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन की सख्ती गौंछी क्षेत्र के मकानों पर चरपा किए जा रहे नोटिस

समर न्यूज़ | फरीदाबाद

नेहरू कॉलोनी में बड़े पैमाने पर हुई कार्रवाई के बाद अब जिला प्रशासन ने शहर की अन्य कथित अवैध कॉलोनियों की जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) प्रवर्तन विभाग द्वारा गौंछी क्षेत्र में विकसित कॉलोनी के मकानों पर नोटिस चस्पा किए जा रहे हैं और मकान मालिकों से सात दिनों के भीतर संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है।

विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र के निवासियों में चिंता का माहौल बन गया है। लोगों को आशंका है कि यदि कॉलोनी को अवैध घोषित किया गया तो उन्हें तोड़फोड़ और बेघर होने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि हाल ही में नेहरू कॉलोनी में करीब



300 मकानों पर कार्रवाई की गई थी, जिसके बाद अन्य क्षेत्रों में भी प्रशासन की निगाहें टिकी हुई हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि गौंछी उप-तहसील के अंतर्गत आने वाली यह कॉलोनी लगभग दस वर्ष पहले विकसित हुई थी। लोगों ने अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी लगाकर यहां प्लॉट खरीदे और मकान बनाकर रहना शुरू किया। वर्तमान में कॉलोनी में करीब 90 प्रतिशत आबादी बस चुकी है।

नोटिस मिलने के बाद बड़ी संख्या में निवासी अपनी समस्याएं लेकर स्थानीय विधायक सतीश फागना से भी मिले। लोगों का दावा है कि

उन्हें कार्रवाई न होने का आश्वासन दिया गया है। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

■ लोगों ने उठाए सवाल, कॉलोनाइजर्स पर कार्रवाई की मांग: कॉलोनीवासियों का कहना है कि उन्होंने 50 से 100 वर्ग गज के प्लॉट विधिवत खरीदकर मकान बनाए हैं। इतना ही नहीं, कई मकानों को नगर निगम की ओर से पानी और सीवर कनेक्शन भी उपलब्ध हैं। ऐसे में अब कॉलोनी को अवैध घोषित किए जाने पर लोगों ने सवाल उठाए हैं। यदि जमीन या कॉलोनी अवैध थी तो संबंधित विभागों ने उस समय कार्रवाई क्यों नहीं की, जब प्लॉट बेचे जा रहे थे। उनका तर्क है कि कार्रवाई मकान मालिकों की बजाय कॉलोनाइजर्स और प्लॉट बेचने वालों के खिलाफ होनी चाहिए।

पानीपत से अगवा बच्चे को पुलिस ने छुड़ाया

समर न्यूज़ | पानीपत

पानीपत की थर्मल कॉलोनी से एक बच्चे के अपहरण मामले में हरियाणा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार को रोहतक के निकट पुलिस और अपहरणकर्ताओं के बीच हुई मुठभेड़ में दो आरोपी घायल हो गए, जबकि अपहृत बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया।

शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे बदमाशों ने थर्मल कॉलोनी से बच्चे का अपहरण कर लिया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत जितेभर में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। लगातार पीछा करते हुए पुलिस टीमों ने शनिवार को रोहतक के पास संदिग्धों को घेर लिया। इस दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों के पैरों में गोली लगी।



कर उसे नकदी सहित गिरफ्तार कर लिया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी महिला पुलिसकर्मी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहन जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषी पाए जाने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

संदेश असीम गोयल ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश भाजपा ने चलाया पौधरोपण अभियान

अंकुर कपूर | अंबाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अंबाला शहर के हर्बल पार्क में पूर्व मंत्री असीम गोयल ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया।



असीम गोयल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी नियमित देखभाल कर उसे एक वृक्ष के रूप में विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। वृक्ष मानव जीवन

और उसे एक विशाल वृक्ष के रूप में विकसित होते देखना आत्मिक संतोष का विषय है। नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाते हुए पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। असीम गोयल ने कहा कि हम अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार वृक्ष भी बिना किसी अपेक्षा के हमें शुद्ध वायु, छाया और जीवनदायिनी ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करना

हिमाचल के विकास को विशेष महत्व देते हैं पीएम लगातार आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहा केंद्र: नइा

शिमला में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का कांग्रेस सरकार पर प्रहार, विकास और फंडिंग पर उठाए सवाल, सरकार दे पूरे नहीं कर पाई



संजु | शिमला
समर न्यूज

शिमला में आयोजित एक मीडिया संवाद कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर कई मुद्दों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मौजूदा स्थिति को देखकर स्पष्ट होता है कि सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा करने में सफल नहीं रही है और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। नड्डा ने दावा किया कि हाल के चुनावी परिणामों से जनता के बीच भाजपा के प्रति बढ़ते समर्थन के संकेत मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रही है कि केंद्र सरकार

है, जिसके कारण विकास कार्यों की गति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पा रही है। केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई गई आर्थिक सहायता का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान विशेष सहायता योजना के तहत हिमाचल प्रदेश को 2,381 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के माध्यम से 2,006 करोड़ रुपये और बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए 2,150 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि केंद्र सरकार राज्य के विकास और पुनर्निर्माण कार्यों में सक्रिय सहयोग दे रही है। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में चल रहे कार्यों का जिक्र करते हुए नड्डा ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर काम जारी है। रेलवे क्षेत्र के लिए भी रिकॉर्ड 2,911 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि 13,168 करोड़ रुपये की लागत वाली चार महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनसे प्रदेश की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना और चंदे भारत ट्रेनों के विस्तार से भी प्रदेश के यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की पर्याप्त सहायता नहीं कर रही, जबकि वास्तविकता इससे अलग है। नड्डा के अनुसार केंद्र सरकार ने विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के माध्यम से राज्य को लगातार आर्थिक और संस्थागत सहयोग प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश को विशेष महत्व देते हैं और राज्य के विकास के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश की प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर टिप्पणी करते हुए नड्डा ने कहा कि सरकार कई मामलों में अस्थायी व्यवस्थाओं के सहारे चल रही है। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा कि प्रदेश में निर्णय प्रक्रिया जटिल होती जा रही है और आम प्रशासनिक कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार के भीतर समन्वय की कमी

शिमला में चलाया स्वच्छता अभियान डॉ. आंबेडकर को दी श्रद्धांजलि



संजु | शिमला
समर न्यूज

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने अपने दो दिवसीय शिमला प्रवास के दौरान शनिवार सुबह चौड़ा मैदान में आयोजित स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की साफ-सफाई कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और स्वच्छता का संदेश दिया। इससे पहले नड्डा ने विकसित भारत सम्मेलन में भाग लेकर विभिन्न विकासवात्मक विषयों पर अपने विचार साझा किए। शिमला दौरे के दौरान उनका पौधरोपण कार्यक्रम में भी शामिल होने का कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने आज पंजाब के लुधियाना स्थित स्वामी विवेकानंद मेडिटेशन पिरामिड का दौरा किया और शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति तथा आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने में योग और ध्यान की परिवर्तनकारी भूमिका पर बल दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आज की तेज-रफतार और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग और ध्यान न केवल अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि संतुलित, सकारात्मक और सार्थक जीवन जीने के लिए भी अत्यंत प्रभावी साधन हैं। उन्होंने कहा कि योग शरीर को स्वस्थ, ऊर्जावान और रोममुक्त रखने में सहायता करता है, जबकि ध्यान मन को शांत, एकाग्र और तनावमुक्त बनाए रखता है। दोनों मिलकर आंतरिक संतुलन और समग्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत ऋषियों, योगियों और आध्यात्मिक परंपराओं की पावन भूमि रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने भारत की प्राचीन योग और ध्यान परंपरा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मान्यता दिया जाना भारत की शाश्वत ज्ञान-परंपरा को विश्व समुदाय के समक्ष



स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह पहल भारत को एक वैश्विक आध्यात्मिक नेतृत्वकर्ता के रूप में पुनः स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले वर्षों में भारत योग, ध्यान और समग्र कल्याण के क्षेत्र में विश्व का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखता है। स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यों की सराहना करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि ट्रस्ट विभिन्न मानवीय परियोजनाओं के माध्यम से समाज की सराहनीय सेवा कर रहा है। उन्होंने बौद्धाश्रम, स्वामी विवेकानंद मेडिटेशन पिरामिड, अस्पताल, फिजियोथेरेपी केंद्र, स्वर्ण आश्रम, निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान, हेयर एवं ब्यूटी प्रशिक्षण संस्थान, वस्त्र बैंक, व्हीलचेयर बैंक, वॉकर बैंक, अस्पताल बेड बैंक, ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर बैंक तथा पुस्तक बैंक जैसी सेवाओं का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये पहलें समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। ट्रस्ट द्वारा प्रस्तुत सेवा और आध्यात्मिकता

का समन्वय समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक प्रभावशाली माध्यम बन सकता है। राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद मेडिटेशन पिरामिड ध्यान, आध्यात्मिक जागरण और मानव चेतना के विस्तार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र लोगों को ध्यान और आत्म-विकास की सरल, वैज्ञानिक और व्यावहारिक विधियां सीखने का अवसर प्रदान करेगा। गुप्ता ने आशा व्यक्त की कि पिरामिड स्प्रिचुअल सोसायटीज मूवमेंट के सहयोग से प्रारंभ किया गया यह अभियान समाज में शांति, सद्भाव, मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे पूर्व ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल भारती ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए कहा कि कविन्द्र गुप्ता जैसे अनुभवी और दूरदर्शी नेताओं का मार्गदर्शन जनसेवा और सामाजिक परिवर्तन की भावना को और अधिक सशक्त बनाएगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ए.के. शर्मा, उपाध्यक्ष संजीव भारती, ट्रस्ट के सदस्य तथा अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

फर्जी पहचान बनाकर शादी करने वाली महिला और एक बिचौलिया गिरफ्तार, सतर्क रहने की सलाह

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में शादी के नाम पर कथित उगी के एक मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला और उसकी सहयोगी बिचौलिया महिला को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि महिला ने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर विवाह किया और बाद में पति को थोखा देकर फरार होने की कोशिश की। पुलिस अब मामले की गहन जांच कर रही है और महिला के पुराने रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बड़सर थाना क्षेत्र के गलोड़ इलाके से जुड़े इस मामले में पीडित युवक मनीष कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में उसने बताया कि उसकी शादी फरवरी 2026 में पंजाब के अमृतसर में हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद उसे अपनी पत्नी द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों पर संदेह हुआ। जब उसने दस्तावेजों की जांच करवाई तो वे कथित तौर पर फर्जी पाए गए। मनीष कुमार ने आरोप लगाया कि जब उसने इस संबंध में सवाल उठाए तो उसे और उसके परिवार को धमकियां मिलने लगीं। उसका कहना है कि विवाह समारोह और अन्य संबंधित खर्चों पर लगभग



सात लाख रुपये खर्च हुए थे। उसने पुलिस से अपनी आर्थिक क्षति की भरपाई करवाने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान महिला घर से जम्मू जाने की बात कहकर निकली, लेकिन वहां पहुंचने के बजाय पंजाब के बटाला क्षेत्र में चली गई। उसका मोबाइल फोन भी बंद पाया गया, जिससे पुलिस को उसके इरादों पर और अधिक संदेह हुआ। पुलिस ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर महिला तक पहुंचने का प्रयास किया। बाद में एक रणनीति के तहत उसे बड़सर बुलाया गया। जैसे ही वह वहां पहुंची, पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। जांच में सहयोग करने वाली एक बिचौलिया महिला को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिस पर इस विवाह को तय कराने और पूरी प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आरोप है। पुलिस अधीक्षक बलवीर सिंह ठाकुर ने बताया कि जिले में शादी के नाम पर धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं।

ड्रोन बना डाक विभाग का नया संदेशवाहक, मंडी से रेहड़धार तक 6 मिनट में पहुंची पहली डाक

धर्मवीर | मंडी
समर न्यूज

आधुनिक तकनीक के दौर में डाक विभाग ने संचार व्यवस्था को और अधिक तेज एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। छोटी काशी मंडी में डाक विभाग ने ड्रोन आधारित डाक सेवा का शुभारंभ किया है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत मंडी प्रधान डाकघर से ट्रंग विधानसभा क्षेत्र के रेहड़धार शाखा डाकघर तक पहली बार ड्रोन के माध्यम से सफलतापूर्वक डाक पहुंचाई गई।

पुराने समय में संदेशों और चिट्ठियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए कबूतरों का सहारा लिया जाता था, लेकिन अब उसी कार्य को अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक के माध्यम से मिनटों में पूरा किया जा रहा है। स्काई एयर कंपनी के सहयोग से शुरू की गई इस सेवा के तहत मंडी प्रधान कार्यालय से रेहड़धार शाखा तक डाक भेजी गई और वहां से दिनभर की डाक वापस मंडी लाई गई।



मिनट में लगभग 12 किलोमीटर की दूरी तय कर डाक को गंतव्य तक पहुंचाया। एरियल रूट के हिसाब से यह दूरी करीब 5 से 6 किलोमीटर

बनती है। उन्होंने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में इस क्षेत्र तक डाक पहुंचाने में लगभग एक दिन का समय लग जाता था, लेकिन अब

धर्मशाला में बारिश ने क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह किया ठंडा

राहुल चावला | धर्मशाला
समर न्यूज

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में शनिवार को भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला खेला गया। मैच दोपहर 1:30 बजे शुरू होना निर्धारित था, लेकिन सुबह से धर्मशाला में रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण मुकाबला देरी से शुरू हुआ जिस कारण मैच 25-25 ओवरों का कर दिया गया। भारत ने टास जीत कर गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। भारत और अफगानिस्तान के बीच धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में युवा स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम इंडिया की ओर से अंतरराष्ट्रीय



स्टेडियम पहुंचते हैं, लेकिन खराब मौसम के कारण इस बार उत्साह पर कुछ असर दिखाई दिया। चंडीगढ़ से पहली बार धर्मशाला मैच देखने पहुंचे विराज ने कहा कि धर्मशाला जैसे खूबसूरत स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला देखना उनके लिए बेहद खुशी का अवसर है। उन्होंने कहा कि यहां का मौसम मैच के अनुकूल नहीं है और ठंड भी महसूस हो रही है। वहीं, आपरा से आई प्रियंका ने बताया कि वे धर्मशाला घूमने आई थीं और जैसे ही उन्हें भारत-अफगानिस्तान मैच की जानकारी मिली तो उन्होंने टिकट खरीदकर मुकाबला देखने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टाफ बल्लेबाज विराट कोहली के नहीं खेलने से उन्हें निराशा हुई है।

गेयटी थिएटर में जीवंत होगी रंगकर्मियों की कहानी, मंचित होगा... रंगमंच का आखिरी दिन

संजु | शिमला
समर न्यूज

अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के सांस्कृतिक आयोजनों के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश सचिवालय सांस्कृतिक क्लब एक विशेष नाट्य प्रस्तुति लेकर दर्शकों के समक्ष आ रहा है। क्लब के कलाकार 14 जून को सायं 6 बजे ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में चर्चित नाटक "रंगमंच का आखिरी दिन" का मंचन करेंगे। यह प्रस्तुति ग्रीष्मोत्सव के प्रमुख आकर्षणों में शामिल मानी जा रही है और कला एवं साहित्य से जुड़े लोगों के बीच विशेष उत्साह का विषय बनी हुई है। यह नाटक विश्व प्रसिद्ध



रूसी साहित्यकार एंटोन चेखव की प्रसिद्ध रचना "स्वान सॉन्ग" से प्रेरित है। नाटक रंगमंच की दुनिया से जुड़े कलाकारों के जीवन, उनके संघर्ष, सम्पन्न, संवेदनाओं और कला के

प्रति अटूट निष्ठा को प्रभावशाली ढंग से सामने लाता है। कहानी के माध्यम से दर्शकों को मंच के पीछे छिपे उन भावनात्मक पहलुओं से परिचित कराया जाएगा, जिनसे एक कलाकार अपने पूरे जीवन में गुजरता है। नाट्य प्रस्तुति का निर्देशन एवं परिकल्पना वरिष्ठ रंगकर्मी राजेश भारद्वाज ने की है। उनके नेतृत्व में कलाकारों ने लंबे समय तक अभ्यास कर इस प्रस्तुति को विशेष रूप देने का प्रयास किया है। नाटक में अभिनय, संवाद अदायगी, मंच सज्जा और भावनात्मक अभिव्यक्ति का समन्वय दर्शकों को एक अलग अनुभव प्रदान करेगा।

कार्यक्रम ग्रीष्मोत्सव-2026 के कलाकारों को सम्मान, उपायुक्त ने प्रीति भोज में स्वयं परेसा भोजन

जस्सी गिल और बब्बल राय के गीतों पर थिरका शिमला, समर फेस्टिवल का भव्य समापन



संजु | शिमला
समर न्यूज

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 का समापन शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और दर्शकों के उत्साह के बीच हुआ। उत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या पंजाबी संगीत जगत के लोकप्रिय कलाकार

जस्सी गिल और बब्बल राय के नाम रही, जिन्होंने अपनी ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुतियों से रिज मैदान पर मौजूद हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों से हुई, जिन्होंने हिमाचली संस्कृति और लोक परंपराओं की झलक पेश की।



इसके बाद मंच पर पहुंचे जस्सी गिल और बब्बल राय ने अपने लोकप्रिय और सुपरहिट गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को संगीतमय बना दिया। उनके गीतों पर युवा, बुजुर्ग और पर्यटक समान रूप से झुमते नजर आए। दर्शकों ने तालियों और उत्साह के साथ कलाकारों का

समारोह कला, सांस्कृतिक विरासत को मंच प्रदान करने का माध्यम

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव - 2026 के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सांस्कृतिक दलों, एनजेडसीसी कलाकारों, पुलिस एवं होमगार्ड बैटल तथा मलखम्ब दल के सम्मान में विशेष आभार समारोह और प्रीति भोज का आयोजन किया गया। उपायुक्त शिमला एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष अनुपम कश्यप ने सभी कलाकारों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कलाकारों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए स्वयं उन्हें भोजन की प्लेटें वितरित कीं और उनका



स्वागत-सत्कार किया। इस आत्मीय पहल ने कलाकारों को भावुक कर दिया तथा आयोजन में एक पारिवारिक और सम्मानजनक माहौल देखने को मिला। आभार समारोह में उपायुक्त ने कहा कि शिमला ग्रीष्मोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की समृद्ध लोक परंपराओं, कला और सांस्कृतिक विरासत को मंच प्रदान करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि कलाकारों की मेहनत, समर्पण और



उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के कारण ही यह आयोजन सफल और यादगार बन पाया है। ग्रीष्मोत्सव के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं और मनोरंजन गतिविधियों ने लोगों को आकर्षित किया। उत्सव ने न केवल स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया, बल्कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटकों की भागीदारी ने प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा दिया।

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. लक्की के तबादले से मरीज परेशान, आदेश रद्द करने की मांग

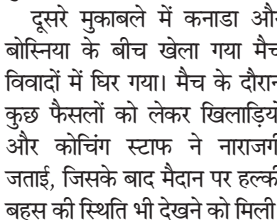
अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज

डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज (आरकेजीएमसी) हमीरपुर में हृदय रोगियों को बड़ा झटका लगा है। कॉलेज में सेवाएं दे रहे कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. लक्की कुमार का तबादला टांडा मेडिकल कॉलेज किए जाने के बाद मरीजों में नाराजगी देखने को मिल रही है। मरीजों और उनके परिजनों ने प्रदेश सरकार से तबादला आदेश वापस लेने की मांग की है। मरीजों का कहना है कि डॉ. लक्की कुमार के आने के बाद क्षेत्र के हृदय रोगियों को काफी राहत मिली थी। पहले इलाज और जांच के लिए उन्हें टांडा या अन्य बड़े अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में विशेषज्ञ सेवाएं



मिलने से समय और धन दोनों की बचत हो रही थी। अब उनके तबादले की खबर से मरीजों की चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए बार-बार टांडा जाना आसान नहीं है। ऐसे में यदि कार्डियोलॉजिस्ट की सेवाएं हमीरपुर में जारी नहीं रहें तो उन्हें फिर से कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। लोगों ने सरकार से जनहित को ध्यान में रखते हुए तबादला आदेश रद्द करने और डॉ. लक्की कुमार की सेवाएं पूर्ववत् हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में बनाए रखने की अपील की है।

दूसरे मुकामले में कनाडा और बोस्निया के बीच खेला गया मैच विवादों में घिर गया। मैच के दौरान कुछ फैसलों को लेकर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ ने नाराजगी जताई, जिसके बाद मैदान पर हल्ला बहस की स्थिति भी देखने को मिली।



डार्क स्पॉट खत्म करने से लेकर पानी, सड़क व पार्कों के रखरखाव पर दिया रिपोर्ट कार्ड

वार्ड 72 में विकास कार्यों पर पार्षद कपिल कुमार बोले- वोटों से नहीं, काम से है पहचान



लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

वेस्ट हल्के के अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 72 के आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद कपिल कुमार ने दावा किया है कि पार्षद बनने के बाद उनके वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया है।

उन्होंने बताया कि वार्ड में करीब 16 से 17 हजार मतदाता हैं और लगभग 10 मोहल्ले आते हैं। वर्ष 2024 के नगर निगम चुनाव में उन्हें लोगों के प्यार और विश्वास के चलते करीब 2600 वोटों के बड़े अंतर से जीत मिली थी।

कपिल कुमार ने बताया कि वह पिछले 27 वर्षों से 'लुधियाना भलाई मंच' नामक एनजीओ के



लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

माध्यम से समाजसेवा कर रहे हैं। वर्ष 2007 से 2017 तक लोगों ने उन्हें बतौर आजाद उम्मीदवार पार्षद बनने का मौका दिया। इसके बाद भी वह लगातार लोगों के सुख-दुख में शामिल होते रहे। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय विधायक गुरप्रीत गोपी ने उनकी जनसेवा को देखते हुए उन्हें आम आदमी पार्टी में शामिल करवाया, जिसके बाद पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर उन्होंने जीत हासिल की।

पार्षद ने बताया कि उनके कार्यकाल में वार्ड के सभी डार्क स्पॉट्स पर करीब 150 नई स्ट्रीट लाइटें लगवाई गईं। मिट्टा चौक में एक हाईमास्ट लाइट और फिरोज गांधी मार्केट में पांच हाईमास्ट लाइटें स्थापित की गईं। वहीं पेयजल समस्या के समाधान के

लिए अंडा चौक, जवाहर नगर गल्स स्कूल और लेबर कॉलोनी में तीन नए ट्यूबवेल लगाए गए। उन्होंने बताया कि गांधी कॉलोनी, साउथ मॉडल ग्राम और मॉडल ग्राम एक्सटेंशन में नई सड़कों का निर्माण कराया गया है, जबकि मॉडल ग्राम और प्रताप कॉलोनी में नई सड़कों के प्रस्ताव मंजूर हो चुके हैं और जल्द काम शुरू होगा।

कपिल कुमार ने कहा कि वार्ड में कुल 38 पार्क हैं। इनमें न्यू मॉडल टाउन, गांधी कॉलोनी, संपूर्ण कॉलोनी, मॉडल ग्राम, फ्रेंड्स कॉलोनी और प्रताप कॉलोनी के पार्कों की मेंटेनेंस करवाई जा चुकी है, जबकि कई स्थानों पर कार्य अभी भी जारी है। कुछ पार्कों में बच्चों और बुजुर्गों के लिए ओपन जिम तथा झूल भी लगाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूल का खेल मैदान पिछले करीब 17 वर्षों से सीमित लोगों तक ही सीमित था। मंत्री स्तर पर बातचीत कर इसे आम लोगों और युवाओं के लिए खुलवाया गया। आज वहां विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित हो रही हैं, जिससे युवाओं को खेलों की ओर प्रोत्साहन मिल रहा है। पार्षद के अनुसार जवाहर

नगर में करीब 70 वर्ष पुरानी और जर्जर हो चुकी सीवरेज व पानी की पाइपलाइनें बदलवाई गई हैं। इसके अलावा मिट्टा चौक में एक मोहल्ला क्लीनिक बनवाया गया है तथा एक आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी का नवीनीकरण कार्य जारी है। चार धर्मशालाओं के रेनोवेशन का काम भी प्रगति पर है।

मानसून सीजन को देखते हुए पूरे वार्ड में सुपर सक्शन मशीनों से सफाई करवाई गई है ताकि जलभराव की समस्या न हो। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 10 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा कार्ड बनवाने सहित कई शिविर उनके कार्यालय में लगाए गए हैं।

कपिल कुमार ने कहा कि उनके कार्यालय में नए वोटर कार्ड बनवाने, उनमें संशोधन करवाने, आधार कार्ड संबंधी सेवाओं और अन्य ऑनलाइन सुविधाओं के लिए नियमित कैप आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वह पहले की तरह आज भी वार्डवासियों के सुख-दुख में 24 घंटे उनके साथ खड़े हैं।

नेस्ले इंडिया में नेतृत्व और नई जिम्मेदारी की शुरुआत

समर न्यूज़ | लुधियाना

नेस्ले इंडिया के मनीष तिवारी चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में अपने शुरुआती कुछ तिमाहियों के कार्यकाल पर नजर डालते हुए, मुझे उस प्रगति और गति को लेकर गहरी जिम्मेदारी और विश्वास का अनुभव होता है, जिसे हम मिलकर आगे बढ़ा रहे हैं। इस भूमिका में आपको अपना पहला वार्षिक पत्र साझा करते हुए मुझे सम्मान का अनुभव हो रहा है।

मैं अब तक की हमारी उपलब्धियों और उन प्राथमिकताओं के बारे में बताना चाहता हूँ, जो हमें उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा करने, ग्राहकों के साथ अपनी साझेदारियों को और मजबूत बनाने, जिन समुदायों तक हमारी पहुंच है वहां साझा मूल्य सुनिश्चित करने तथा अपने शेयरधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण को आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।

मैं नेस्ले के उत्पादों के साथ बढ़ा हुआ हूँ, इसलिए इस भूमिका में



आना मेरे लिए एक बेहद व्यक्तिगत अनुभव जैसा है। मुझे आज भी याद है कि मेरी माँ मुझे हमारे मोहल्ले के किराना दुकानदार राजू की दुकान से मेरी पसंदीदा मिल्कमेड कंडेंस्ड मिल्क का एक टिन लाने के लिए भेजती थीं।

रोजमर्रा के वे सरल पल आज भी मेरी यादों में बसे हुए हैं। अपने प्रतिष्ठित सफेद टिन से लेकर आधुनिक री-सीलेबल पाउच तक, मिल्कमेड समय के साथ विकसित हुआ है, लेकिन पीढ़ियों से भारतीय घरों का एक भरोसेमंद हिस्सा बना हुआ है। उत्पाद का स्वरूप बदल सकता है, लेकिन भरोसा समय की कसौटी पर हमेशा खरा उतरता है। लगातार अच्छा प्रदर्शन शायद ही कभी

एक साथ बहुत सारे काम करने से हासिल होता है। यह कुछ सही निर्णयों, अनुशासित क्रियान्वयन और निरंतर सुधार की संस्कृति से प्राप्त होता है। उपभोक्ता कारोबार में, किसी भी तिमाही के दौरान ये काम करने के सामान्य तरीके प्रतीत हो सकते हैं। लेकिन समय के साथ ये बिल्कुल भी सामान्य नहीं रहते। इनका प्रभाव लगातार बढ़ता जाता है। पूरे वर्ष के दौरान, हमने बुनियादी बातों पर ध्यान केंद्रित किया और मजबूत बाजार हिस्सेदारी वृद्धि के साथ दोहरे अंकों वाली, वॉल्यूम-आधारित वृद्धि हासिल की। आपकी कंपनी की कुल बिक्री 23,071.5 करोड़ रुपये रही। हमने ये परिणाम ऐसे माहौल में हासिल

18 पैकेट में छिपाई गई थी हेरोइन, जांच

लुधियाना| में डीआरआई ने 9.948 किलोग्राम हेरोइन (कीमत 19.90 करोड़) बरामद की और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। हाई-स्पीड पीछा के बाद कार से 18 पैकेट चिड़टा और 1.64 लाख रुपये नकद मिले। कार व सामग्री जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में जांच जारी है।

मानसून से पहले जलभराव, गंदे पानी से बचाना होगी पहली अग्निपरीक्षा

नीरू कत्याल गुप्ता के तबादले को लेकर भी चर्चाएं तेज



लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

मानसून की दस्तक से पहले लुधियाना नगर निगम की कमान बदल गई है। शहर को हर साल बरसात में बुढ़े दरिया के प्रदूषित पानी और जलभराव की मार से बचाने की चुनौती के बीच आईएसएस अधिकारी ओजस्वी को नया नगर निगम कमिश्नर नियुक्त किया गया है।

ऐसे समय में हुए इस प्रशासनिक बदलाव ने शहर की राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा छेड़ दी है। ओजस्वी ऐसे वक्त पर जिम्मेदारी सنبाल रही हैं, जब निगम प्रशासन के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस बार शहर को बुढ़े दरिया के गंदे पानी और जलभराव की समस्या से राहत मिल पाएगी।

पिछले वर्ष बरसात के दौरान ठोका मोहल्ला, दीप नगर समेत कई निचले इलाकों में बुढ़े दरिया का प्रदूषित पानी घुस गया था। घरों में पानी भरने से लोगों का लाखों रुपये का सामान खराब हो गया था और कई दिनों तक जनजीवन प्रभावित रहा था। इस बार भी दरिया और नालों में जमा गाद, सफाई के बाद किनारों पर डाली गई मिट्टी और लगातार सिकुड़ती जलधारा को लेकर स्थानीय लोगों

में चिंता बनी हुई है। यदि समय रहते प्रभावों कदम नहीं उठाए गए तो मानसून के दौरान हालात दोबारा बिगड़ सकते हैं। ऐसे में नए निगम कमिश्नर के सामने बुढ़े दरिया, सीवरेज सिस्टम, ड्रेनेज नेटवर्क और संवेदनशील इलाकों के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना सबसे बड़ी प्राथमिकता माना जा रहा है।

■ पांच माह का कार्यकाल, कई फैसले रहे चर्चा में...

डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता ने 27 जनवरी 2026 को नगर निगम कमिश्नर का पदभार संभाला था। करीब पांच माह के कार्यकाल में उन्होंने प्रशासनिक सुधारों और विकास परियोजनाओं को गति देने की कोशिश की। निगम में ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर फाइलों के निपटारे में पारदर्शिता और तेजी लाई गई। वहीं लंबे समय से भुगतान का इंतजार कर रहे ठेकेदारों की रकमी हुई पेमेंट जारी करवाना भी उनके कार्यकाल की अहम उपलब्धियों में शामिल रहा।

■ नहरी पानी योजना और अवैध निर्माणों पर कार्रवाई...

डॉ. गुप्ता के कार्यकाल में शहर की बहुप्रतीक्षित नहरी पानी सप्लाई योजना को नई गति मिली। परियोजना में प्रगति के लिए निगम को सम्मान भी प्राप्त हुआ। इसके अलावा अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई और कई स्थानों पर सख्त कदम उठाए गए। एफ एंड सीसी तथा जनरल हाउस की बैठकों को डिजिटल बनाने के लिए

पार्षदों को टैबलेट उपलब्ध करवाने की पहल भी चर्चा में रही। "मिशन क्लीन पंजाब" के तहत सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार निरीक्षण और विशेष अभियान चलाए गए।

■ औचक निरीक्षण के बाद तबादले की चर्चा...

सूत्रों के अनुसार स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैस ने एक दिन पहले लुधियाना में विभिन्न विकास कार्यों और निगम व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान निगम कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता के मौजूद न रहने को लेकर प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया था। हालांकि सरकार की ओर से तबादले के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन निरीक्षण के बाद उनके तबादले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं।

■ अब ओजस्वी पर टिकीं शहरवासियों की उम्मीदें...

बरसात फिर पर है और समय बेहद कम। ऐसे में शहरवासियों की निगाहें अब नई निगम कमिश्नर ओजस्वी पर टिकी हैं। आने वाले कुछ सप्ताह यह तय करेंगे कि निगम प्रशासन बुढ़े दरिया, सीवरेज और जलनिकासी की पुरानी समस्याओं से कितनी प्रभावी तरीके से निपट पाता है। अगर तैयारियां मजबूत रही तो शहर को राहत मिल सकती है, लेकिन चूक होने पर मानसून फिर हजारों परिवारों के लिए मुसीबत बन सकता है।



लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

मॉडल टाउन एक्सटेंशन में न्यू कृष्णा मंदिर के सामने स्थित ब्लॉक के निवासियों का सब्र अब जवाब देने लगा है। करीब ढाई से तीन महीने पहले सीवरेज पाइप बदलने के लिए सड़कें खोदी गई थीं, लेकिन काम आज तक पूरा नहीं हो सका। नतीजा यह है कि पूरा इलाका बदहाली का शिकार है और स्थानीय लोग रोजाना परेशानी झेलने को मजबूर हैं।

पिछले दो दिनों की बारिश ने नगर निगम के दावों और व्यवस्थाओं की पूरी पोल खोल दी। सड़कें कीचड़ के तालाब में तब्दील हो गईं। वाहन फंस रहे हैं, बुजुर्गों और बच्चों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। कई जगह लोगों को पैदल निकलने के लिए भी सुरक्षित रास्ता नहीं मिल

रहा। हालात ऐसे हैं कि घरों के अंदर तक धूल, मिट्टी और गंदगी पहुंच रही है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि जिस काम को समयबद्ध तरीके से पूरा होना चाहिए था, वह महीनों बाद भी अधूरा पड़ा है। लोगों का कहना है कि कार्य की गति इतनी धीमी है कि यह महज लापरवाही नहीं बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार की कार्यप्रेणाली पर भी सवाल खड़े करती है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि मानसून की शुरुआत होने वाली है। अधूरी खुदाई, टूटी सड़कें और जलभराव की स्थिति किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि ऐसा लगता है जैसे निगम प्रशासन किसी दुर्घटना या जनहानि के बाद ही जागेगा।

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज़

नगर निगम संघर्ष कमिटी के बैनर तले आज कच्चे कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां के आवास की ओर रोष मार्च निकाला। वीर पैलैस से बड़ी संख्या में एकत्रित हुए कर्मचारियों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

संघर्ष कमिटी के नेताओं नरेश धीमान और राजवीर सिंह चौटाला विक्की संहोता ने संयुक्त रूप से कहा कि सरकार ने चुनावों के दौरान नगर निगम कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था, लेकिन अब अपने वादे से पीछे हट रही है। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारी वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं और कुछ ओवरएज होने की स्थिति में पहुंच चुके हैं, फिर भी उन्हें नियमित नहीं किया जा रहा।

प्रदर्शन के दौरान संघर्ष कमिटी के प्रतिनिधि मुंडिया ने कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया से मुलाकात कर उन्हें मांग पत्र सौंपा। मंत्री ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को मुख्यमंत्री तथा स्थानीय निकाय मंत्री के समक्ष उठाया जाएगा।

उधर, प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। मंत्री के आवास के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई।

भाजपा देश की बड़ी पार्टी, पंजाब में अकेले लड़ेगी चुनाव: हरदीप पुरी

सुरक्षित रक्त की उपलब्धता किसी भी स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती है और रक्तदाता ही इस व्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने रक्तदाताओं के योगदान की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया।

डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि रक्त की एक यूनिट तीन लोगों तक को नया जीवन दे सकती है, क्योंकि इसके विभिन्न घटकों का उपयोग अलग-अलग मरीजों के उपचार में किया जाता है। उन्होंने शिविर को सफल बनाने वाले सभी रक्तदाताओं, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया तथा सभी से नियमित रक्तदान करने की अपील की।

पुलिस ने मंत्री आवास के बाहर बैरिकेडिंग कर रोके प्रदर्शनकारी

कैबिनेट मंत्री हरदीप मुंडियां का आवास घेरने पहुंचे संघर्ष कमिटी के सदस्य, सौंपा मांग पत्र



कैबिनेट मंत्री हरदीप मुंडियां के आवास के बाहर प्रदर्शन करते संघर्ष कमिटी के सदस्य।

सरकार ने मांगें न मानीं तो करेंगे आंदोलन तेज: नरेश

नगर निगम, नगर काउंसिल और नगर पंचायतों में ठेकेदारी प्रथा को समाप्त कर कर्मचारियों की सीधी भर्ती की जाए।सफाई कर्मचारियों और सीवरमैन को नियमित किया जाए तथा परखकाल तीन वर्ष से घटाकर एक वर्ष किया जाए।ओवरएज हो चुके कर्मचारियों को विशेष छूट देकर पक्का किया जाए तथा मेडिकल जांच और परखकाल से राहत दी जाए।डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने की ठेकेदारी व्यवस्था समाप्त कर इस कार्य में कर्मचारियों के बेरोजगार परिवर्जनों को रोजगार दिया जाए। संघर्ष कमिटी के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने संघर्ष कमिटी को आश्वासन दिया



मांगपत्र लेने के बाद बोले मंत्री हरदीप मुंडियां ने कहा कि मैं खुद सुबह से उनकी बात सुनने के लिए घर पर बैठा हूं मगर उनके द्वारा मेरी गाड़ियों को घेरना गलत बात है। मैंने तो उनको कहा है कि आप आओ और अपनी बात रखो और अपना मांगपत्र मुझे दो। मगर संघर्ष कमिटी ने गलत रास्ता अख्तियार कर लिया है लेकिन फिर भी वे उनके साथ हैक्योंकि वे भी उनके अपने भाई है और उनके द्वारा दिए गए मांगपत्र को वे मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को पहुंचावेंगे और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए आग्रह करेंगे। क्योंकि पंजाब में ये पहली बार हुआ है कि पंजाब में आप की भगवंत सिंह मान सरकार ने ठेकेदारी प्रथा को खत्म करने का जो निर्णय लिया है।

खूनदान शिविर

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

विश्व रक्तदाता दिवस 2026 के अवसर पर डीएमसी एंड एच के इम्प्यूनो हेमेटोलॉजी एवं ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईएचबीटी) विभाग द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में मानवता और सेवा का अनूठा उदाहरण देखने को मिला।

“मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं।” थीम के तहत आयोजित इस शिविर में डॉक्टरों, विद्यार्थियों और अस्पताल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 345 यूनिट रक्तदान किया। शिविर का आयोजन आईएचबीटी विभाग

के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार के नेतृत्व में किया गया, जबकि समन्वय की जिम्मेदारी डॉ. सोनिया गुप्ता, डॉ. दीपिका अग्रवाल तथा विभाग के अन्य फैकल्टी एवं स्टाफ सदस्यों ने संभाली।

रक्तदान शिविर का शुभारंभ डीएमसी एंड एच प्रबंध समिति के सदस्य दीपक दुमरा, सचिव बिपिन गुप्ता, कोषाध्यक्ष मुकेश वर्मा, प्रिंसिपल डॉ. जी.एस. वांडर, मेडिकल सुपरिटेण्डेंट डॉ. अश्वनी के. चौधरी, डॉ. संदीप शर्मा, अतिरिक्त मेडिकल सुपरिटेण्डेंट डॉ. आशिमा तनेजा तथा डॉ. राजेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सचिव श्री बिपिन गुप्ता ने



कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण का

सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने लोगों से नियमित स्वैच्छिक रक्तदाता बनने और समाज में जीवन

बचाने की इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया। प्रिंसिपल डॉ. जी.एस. वांडर ने कहा कि